ब्रेकथ्रू का अभियान "देश बनाम बाल विवाह"
वीडियो वैन, नुक्कड़ नाटक बनेगा बदलाव का माध्यम
बेटियों को शिक्षित करने में पिता की भूमिका महत्वपूर्ण

रांची,27 मई 2017, मानवाधिकार और महिला मुद्दों पर काम करने वाली स्वंयसेवी संस्था ब्रेकथ्रू ने बाल विवाह के ख़िलाफ़ अपने अभियान '**देश बनाम बाल विवाह**' के तहत समुदाय में जागरुकता फैलाने के लिए आज वीडियो वैन की शुरूआत की।पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय, गोंदा से पुलिस उपाधीक्षक सदर विकास चंद्र श्रीवास्तव और पुलिस उपाधीक्षक,सिल्ली सतीश चंद्र झा ने संयुक्त रूप से वीडियो वैन को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इस अवसर पर बतौर विशिष्ठ अतिथि द अल्टरनेट स्पेस संस्था की खदीजा फारूखी भी मौजूद रहीं।
यह वीडियो वैन 14 द्वारा जून 2017 तक रांची के 10 प्रखंडों के 26 पंचायतों के 38 गांवों में जाकर लगभग 22 हजार लोगों तक सीधे पहुंचकर बाल विवाह के मुद्द पर उन्हें जागरुक करेगी। जहां खेल,लघु फिल्म और नुक्कड़ नाटक **"चंदा न रुकेगी ''** नाटक के माध्यम से लोगों से बाल विवाह के मुद्दे पर चर्चा की जाएगी। इस अवसर पर रश्मी मैट्रिक पास नाम के एक लघु फिल्म भी दिखायी गई,जिसमें दिखाया गया कि एक पिता किस तरह से अपनी बेटी को पढ़ाने के लिए आगे आकर उसका साथ देता है।

ब्रेकथ्रू के सीनियर मैनजर आलोक भारती ने कहा कि कम उम्र में विवाह का असर हमारे बच्चों के स्वास्थ्य से लेकर कैरियर तक पर पड़ता है इसका दुष्परिणाम यौन हिंसा और घरेलू हिंसा के रूप में भी सामने आता है। तमाम प्रयासों के बाद आज भी झारखंड में 38 फीसदी लड़कियों की शादी 18 साल की उम्र से पहले हो जाती है।उन्होंने बताया कि इस बार हमारी वीडियो वैन का संदेश पिता औऱ बेटी के संबंधों पर केंद्रित है कि किस तरह पिता जो अपने परिवार का मुखिया होता है औऱ परिवार के किसी भी निर्णय को लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है वो किस तरह से अपनी बेटी को पढ़ा कर उसे आगे बढ़ने में मदद कर सकता है।'रश्मी मैट्रिक पास' फिल्म से आप इसे बेहतर तरीके से समझ सकते हैं।

इस अवसर पर पुलिस उपाधीक्षक सदर विकास चंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि बाल विवाह के खिलाफ ब्रेकथ्रू का **देश बनाम बाल विवाह** अभियान एक सराहनीय प्रयास है।खास तौर से समुदाय के बीच में जाकर नुक्कड़ नाटक से बाल विवाह के मुद्दे को समझाने का जो माध्यम चुना है वो काफी महत्वपूर्ण है।इस दिशा में हमारा भी पूरा सहयोग रहेगा।
पुलिस उपाधीक्षक,सिल्ली सतीश चंद्र झा कहा कि पुलिस भी इस दिशा में गंभीर औऱ बाल विवाह को लेकर हमें जो भी सूचना मिलती है हमारा प्रयास होता है कि हम उसे रोकें लेकिन इस दिशा में समाज को बड़ी पहल करने की जरूरत है।सभी के सतत प्रयास से ही बाल विवाह का समाप्त किया जा सकता है यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपनी बेटियों को शिक्षा के साथ ही बेहतर समाज भी दें।

इस मौक़े पर ब्रेकथ्रू के जिला समन्वयक,रांची पवन सिन्हा ने कहा कि 2012 से हम बाल विवाह के मुद्दे पर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जागरुक करने का प्रयास कर रहे हैं,इसी कड़ी में हम यह वीडियों वैन लेकर आए है जो बाल विवाह के मुद्दे पर महीने भर

समुदाय को जागरुक करेगा। उन्होंने आए हुए अतिथियों का धन्यवाद देते हुए कहा कि इस मुहिम को सफल बनाने में आप सभी के साथ की जरूरत है।

इस मौके पर ब्रेकथ्रू के संजय,अमित सहित कई गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

ब्रेकथ्रू के बारे में:-

ब्रेकथ्रू एक मानवाधिकार संस्था है जो महिलाओं और लड़कियों के ख़िलाफ़ होने वाली हिंसा और भेदभाव को समाप्त करने के लिए काम करती है।

कला,मीडिया,लोकप्रिय संस्कृति और सामुदायिक भागेदारी से हम लोगों को एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं,जिसमें हर कोई सम्मान,समानता और न्याय के साथ रह सके।

हम मल्टीमीडिया अभियानों के माध्यम से मानवाधिकार से जुडें मुद्दों को मुख्य धारा में ला रहे हैं।इसे देश भर के समुदाय और व्यक्तियों के लिए प्रासंगिक बना रहे हैं।इसके साथ ही हम युवाओं,सरकारी अधिकारियों और सामुदायिक समूहों को प्रशिक्षण भी देते हैं,जिससे एक नई ब्रेकथ्रू जेनरेशन सामने आए जो अपने आस-पास की दुनिया में बदलाव ला सके।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें-

विनीत त्रिपाठी
सीनियर मैनेजर:मीडिया एडवोकेसी
ब्रेकथ्रू
09792267809

आलोक भारती
सीनियर मैनेजर-झारखंड-बिहार
ब्रेकथ्रू
09431334685